शब्दों का जादू... जीवन की है गूँज

हर शब्द में छिपा है, जीवन संसार,

अनकहे बोल भी कह जाए, जीवन की सच्चाई,

जश्न में शब्दों का गुलदस्ता, रचता जिंदगी के रस्मों-रिवाज,

'जीवन का उत्सव' भी निर्मित हो शब्दों की वर्णमाला से ।

शब्दों की अभिलाषा, सफलता का मुकुट भी इन्हीं से ,

अनकहे भी खींचते हैं जीवन की रेखाएँ, दे जाए ज्ञान सीख।

मिटते हैं गिले-शिकवे भी, शब्दों के गुलदस्ता से,

वर्तमान की खुशियों में बसता, इन्हीं में है जीवन सार।

जन्म से मृत्यु तक, अक्षरों की डोर में है बंधा,

प्यार के जादुई अक्षर, भाग्य का भी प्रतिबिंब।

दिल से दिल तक का सफर, शब्दों की डोरी से जुड़ा,

आशिक़ और आशिकी की व्याख्या, शब्दों में ही समाई।

रिश्तों की भावनाएँ, इसकी महत्व शब्द ही समझे,

भावनाओं की भाषा, शब्दों रहे बसी।

शब्द पहेलियां, जीवन के रहस्य खोले,

शब्दों की ताकत, न ले कोई हलके में।

युद्ध की चुनौतियाँ, शब्दों में समाई,

कभी मरहम, तो कभी तीखी फटकार।

शब्दों में संगीत का सुर, बनते मधुर गीत,

घुंघरुओं की झंकार, मिश्री से मीठे बोल इन्हीं से।

नवरस बिन अक्षर फीके,

शब्दों की ताकत, न आँके कोई हलके से।

ईश्वर की आवाज़, शब्दों में रहती बसी,

गीता, रामायण, कुरान, बाइबिल में है रची।

प्रार्थना सार, नमस्कार आशीर्वाद का शब्दार्थ ,

यही जीवन का आधार, सृष्टि का मूल मंत्र।

अमृत का भंडार, शब्दावली में है समाया,

उतार-चढ़ाव, विचारों की दिशा-निर्देश भी।

संकल्पों में ऊर्जाएं, रंग-रोशन भी शब्द ही भरें,

न सिर्फ फूलों की महक में, प्रकृति नियम इन्हीं से

अद्भुत है शब्दों की दुनिया, निराली बेमिसाल ।

गीतांजलि सक्सेना